# दूसरी इकाई

– *प्रयाग शुक्ल*

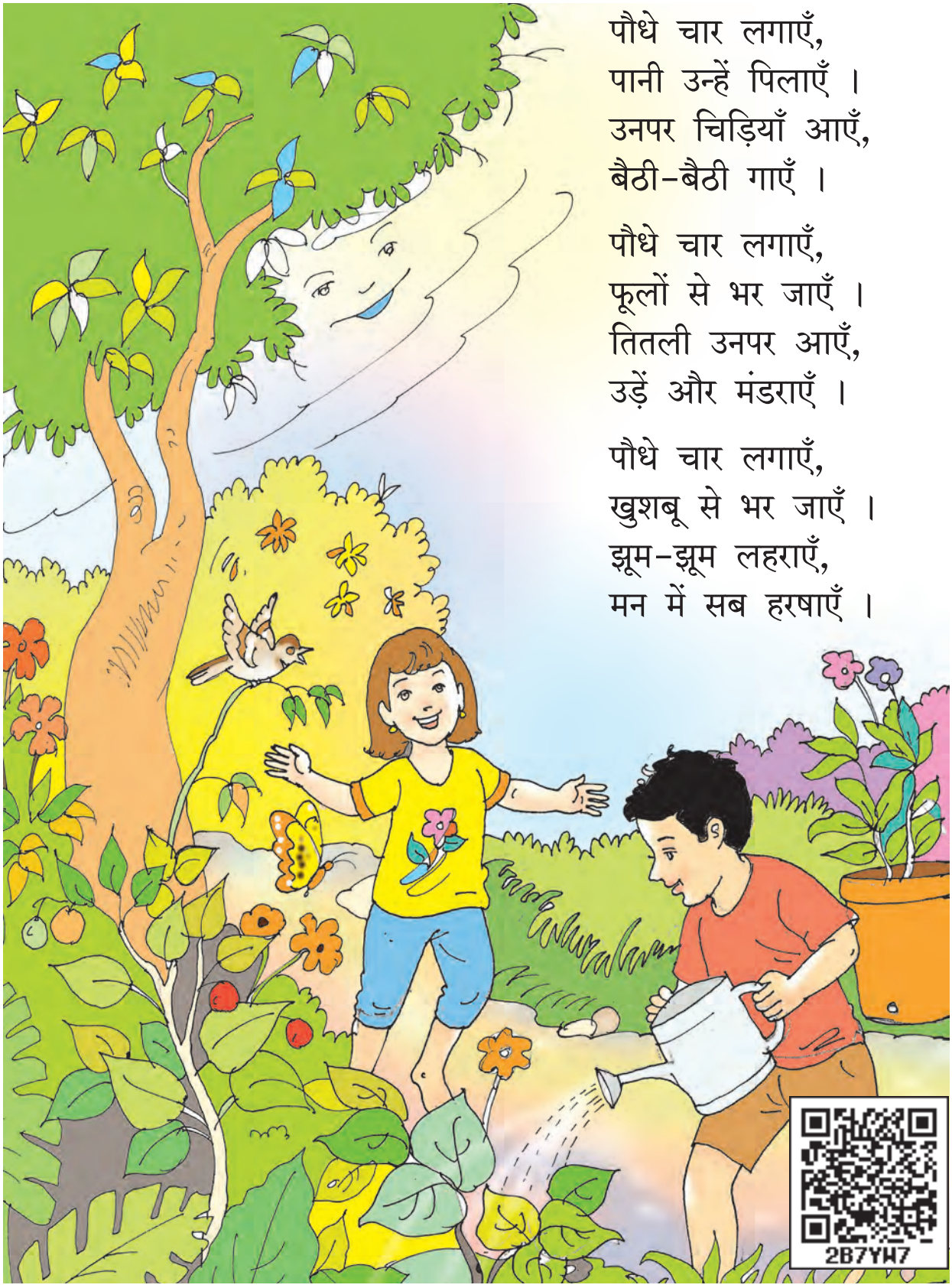

पौधे चार लगाएँ,
पानी उन्हें पिलाएँ ।
उनपर चिड़ियाँ आएँ,
बैठी-बैठी गाएँ ।

पौधे चार लगाएँ,
फूलों से भर जाएँ ।
तितली उनपर आएँ,
उड़ें और मंडराएँ ।

पौधे चार लगाएँ,
खुशबू से भर जाएँ ।
झूम-झूम लहराएँ,
मन में सब हरषाएँ ।

# २. पैसे

## चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

## श्रवण – सुनो और दोहराओ :

यमुना गायन थकान साथ मिसळ मलयाळम एकांत आएगा ऐरावत ऐब
सिक्का चिल्लर चूड़ियाँ बिंदी ए टी एम गुल्लक थैली दुपट्टा नोट रुपया पगड़ी जूड़ा

**खुशी और आनंद रोज बचत करते हैं ।**

सामान खरीदने के लिए पैसा चाहिए ।
पैसा मेहनत करने से मिलता है ।
हम ए टी एम, बैंक से पैसे निकालते हैं ।
कृपया चिल्लर पैसे दीजिए ।
पैसे गिनकर लेन-देन करना चाहिए।
अपने गुल्लक में रोज पैसे जमा करो ।

## अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

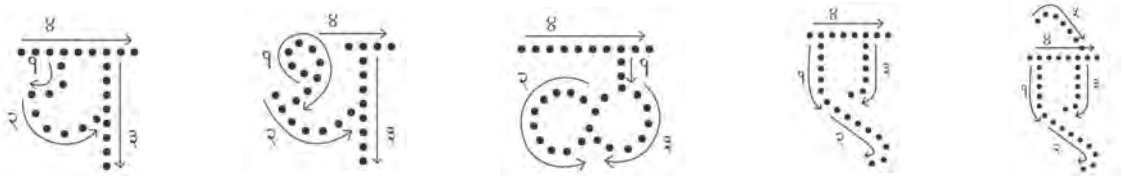

**भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो :** ए ऐ

य

थ

ळ

ए

ऐ

**वाचन – पढ़ो :**

नया थाली तनु जूता तेल कुलू बैल कृपया गाएगा तमिळ ऐबक

एकता थैला ला । आकृति, कोमल आ । चलते–चलते माया आई ।

कला ऐनक ला । जय–विजय आए । एकनाथ एक आम ले आ ।

**लेखन – देखो, मिलाओ और चौखट में उचित संख्या लिखो :**

| | | | |
|---|---|---|---|
|   | = ₹ ☐ |   | = ₹ ☐ |
|   | = ₹ ☐ |   | = ₹ ☐ |
|   | = ₹ ☐ |   | = ₹ ☐ |
|   | = ₹ ☐ |   | = ₹ ☐ |
|   | = ₹ ☐ |   | = ₹ ☐ |

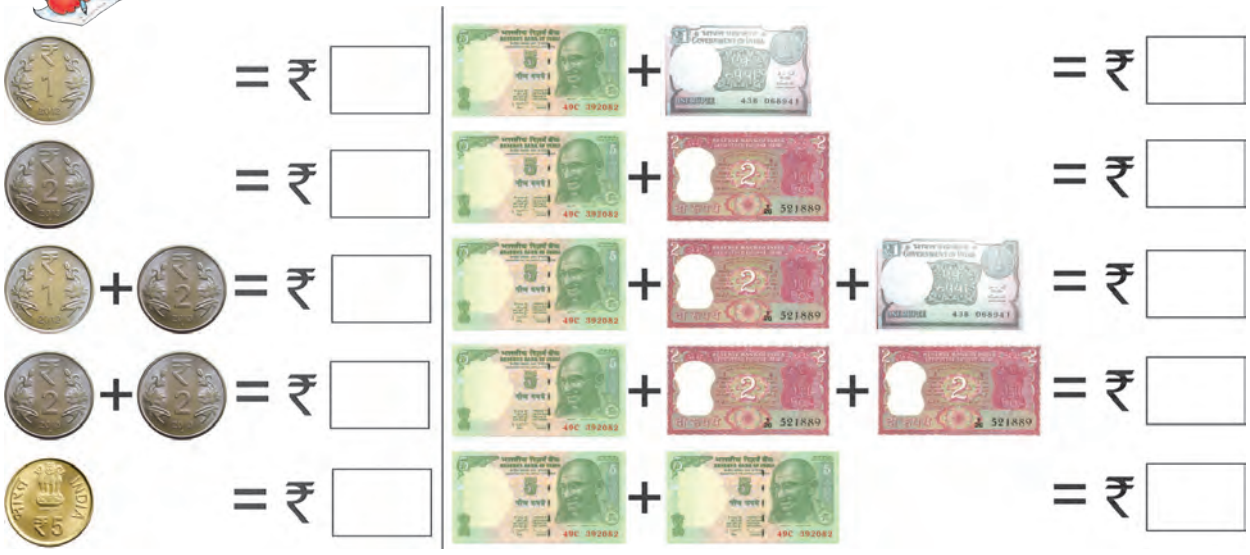

**अनुरेखन – देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो :** ए ऐ

ऐश्र एकल थैपला तमिळ कैकेयी

2BGUXU

# ३. रोबोट और आकार

**चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :**

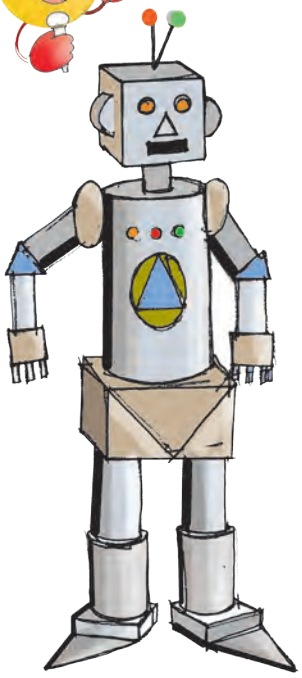

**श्रवण – सुनो और दोहराओ :**

रमेश कैरम सपेरा पारस शेखर शक्कर आकाश खजाना चौखट ओर औसत
रोबोट आकार गोल चूड़ी आयत चौकोन समोसा बेलन आकाशदीप गुब्बारा आइसक्रीम

**खुशी और आनंद रोबोट देखकर चर्चा कर रहे हैं ।**

रोबोट एक यंत्रचलित मानव है ।
रोबोट अचूक काम करता है ।
यह रिमोट से चलता है ।
रोबोट बोलता भी है ।
रोबोट खेलता भी है ।
यह मनुष्य के काम कर सकता है ।
यह कम समय में अधिक काम करता है ।
यह मनुष्य की सूचना के अनुसार चलता है ।

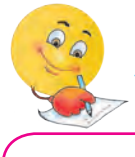

**अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :**

र स श ख ओ औ

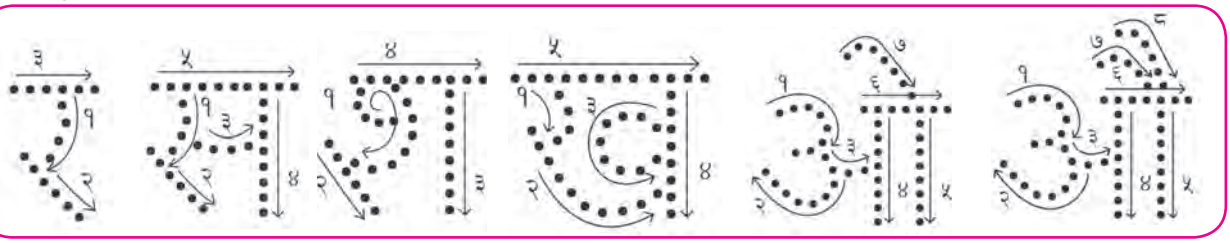

## भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो : ओ ो औ ौ

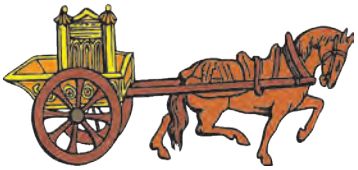



र

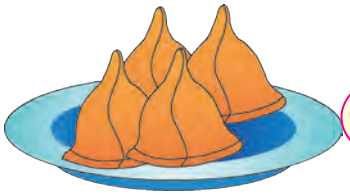



स

श

ख

ओ

औ

## वाचन – पढ़ो :

ओस जैसे शोर औरत कृपाण सरौता खुशबू पिचकारी मातृभूमि

शुभम शोर मत कर । सौरभ सिलाई कर । खुशी खीरा खा ।

शीला सामने आ । शौनक सात लिखो । गौरी खेलने चल ।

## लेखन – समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो ।)

रस्सी     ......

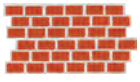

 आसन   ......

शहद रोशनी   ......

 अखबार   ......

ओस   ओढ़नी ......

 औसत छुआछुऔवल ......

## अनुरेखन – देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो : ओ ो औ ौ

और मातृ सुलृ ओखली चौकोर

2BQQZH

# ५. झंडा

## चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

## श्रवण – सुनो और दोहराओ :

इडली झुंड दिराङ मङरू जोड़ कड़ाही कड़क झरना अंडा प्रातः सुअंब झंडा सलामी वृक्ष बैसाखी साड़ी वृद्ध पुरुष महिलाएँ आँगन चबूतरा दिव्यांग

**आनंद और खुशी वृद्धाश्रम गए हैं ।**

वृद्धाश्रम में वृद्ध लोग ही रहते हैं ।
वृद्धाश्रम पताकाओं से सजा है ।
फूलों से रंगोली बनाई गई है ।
ध्वजारोहण का कार्यक्रम मनाया जा रहा है ।
विद्यार्थी और शिक्षक भी आए हैं ।
सभी झंडे को सलामी दे रहे हैं ।
ध्वजारोहण में दिव्यांग भी शामिल हैं ।
वृद्धाश्रम का परिसर सुंदर है ।

## अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

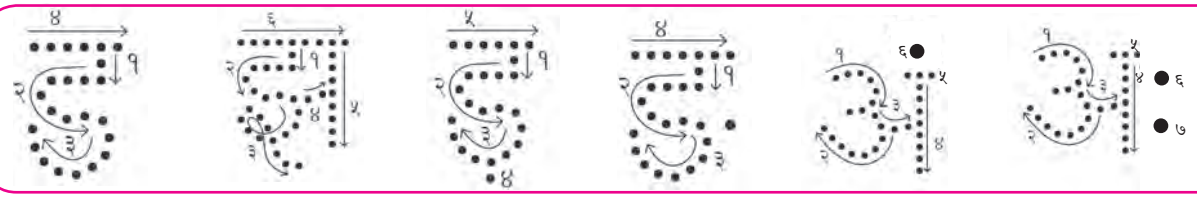

**भाषण संभाषण– पहचानो और बोलो :** अं ं अः ः

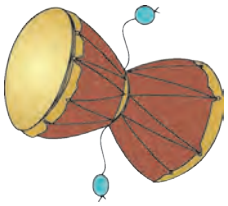

 ढ

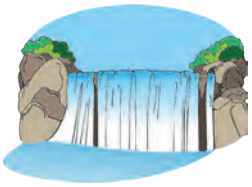

 झ

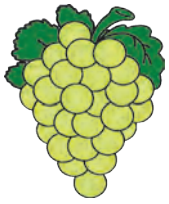

 अं

 ड़

ङ

 अः



**वाचन– पढ़ो :**

झेंप झुंड झूला डोली खंडवा तवाङ पापड़ झरना झिझक पगड़ी अंततः
डंका डौंडी डीलडौल पतङ्ग अङ्ग अतः पंच संत घंटी

संगीता कंगन रख । अंबर मंजन कर । पंकज पापड़ ला ।
अंगद डंडा पकड़ । संजय पंखा चला । सुनीति रंगोली में रंग भर ।



**लेखन – समझो और लिखो :** (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो ।)

   डलिया ......

 जोड़ना   ......

झबला     ......

 कंदील जंजीर ......

 अंततः अतः ......



**अनुरेखन– देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो :** अं ं अः ः

मंजिल रंगोली अंततः सुंदर बैरंग कौंतेय

2BZH25

वाक्य – पहचानो, सुनो और बताओ :

# ५. मेरी पहचान

मैं आँखों से देखती हूँ ।

मैं कानों से सुनती हूँ ।

मैं नाक से सूँघता हूँ ।

**हमारे शरीर के अंग**

मैं जीभ से स्वाद लेता हूँ ।

मैं हाथ से लिखती हूँ ।

मैं पैरों से चलता हूँ ।

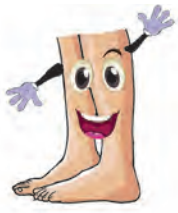

आकलन – जोड़ियाँ मिलाओ :

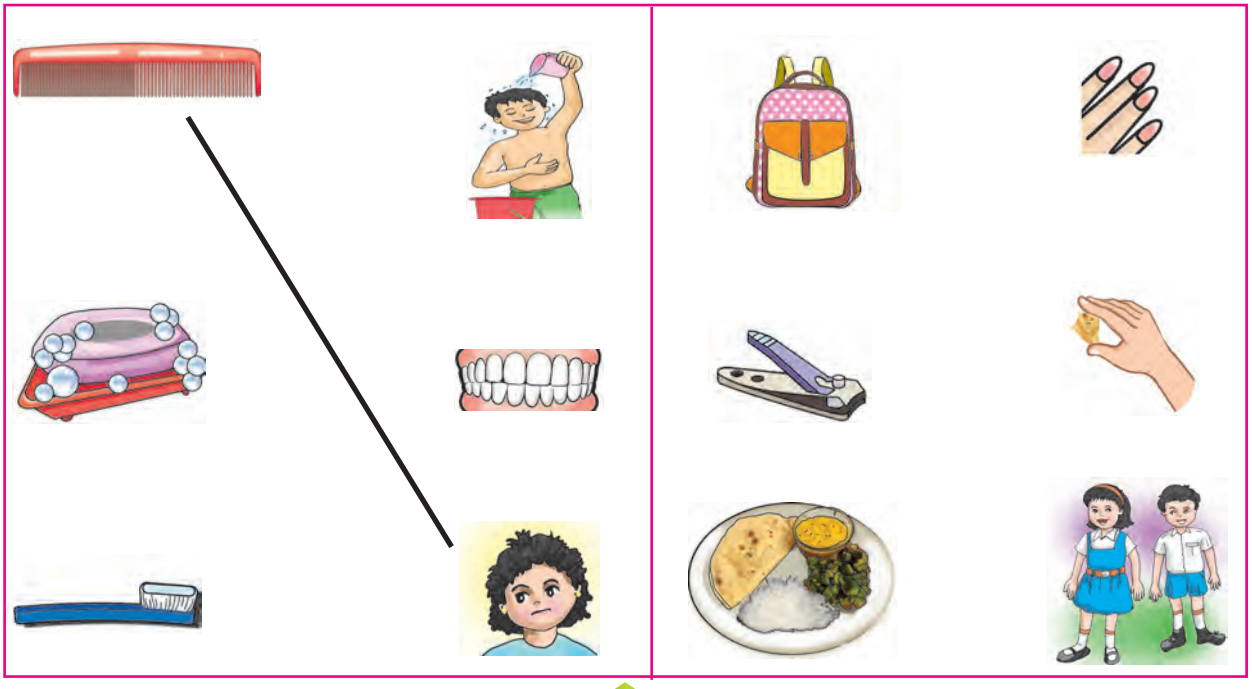

## लयात्मक वाक्य– सुनो और दोहराओ :

प्रातः जल्दी उठते हम ।

दाँत साफ करते हम ।

सैर सपाटा करते हम ।

मलकर रोज नहाते हम ।

नित पाठशाला जाते हम ।

खेल–खेल में पढ़ते हम ।

मिलजुल खाना खाते हम ।

लौटकर, मौज मनाते हम ।

नित गृहकार्य करते हम ।

खा–पीकर सो जाते हम ।

2C9I3S

# ६. माँ

## चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

## श्रवण – सुनो और दोहराओ :

टमटम मटर ठठेरा पैठणी ढलान पंढरपुर बाढ़ पढ़ना चाँद दाढ़ आँगन झाड़ी रैकेट फुटबॉल सड़क दुकान साड़ी चोटी मंगलसूत्र विज्ञापन पहिया गेंद कार

**यह खुशी और आनंद की माँ हैं ।**

दोनों अपनी माँ से बहुत प्यार करते हैं ।
दोनों माँ के साथ बाजार गए थे ।
आनंद ने बाजार से बॉल खरीदा ।
खुशी ने रैकेट खरीदी ।
दोनों खिलौने पाकर खुश हैं ।
बाजार अनेक वस्तुओं से सजा था ।
तीनों पैदल घर की ओर चल पड़े ।
माँ ने खुशी का हाथ पकड़ा था ।

## अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

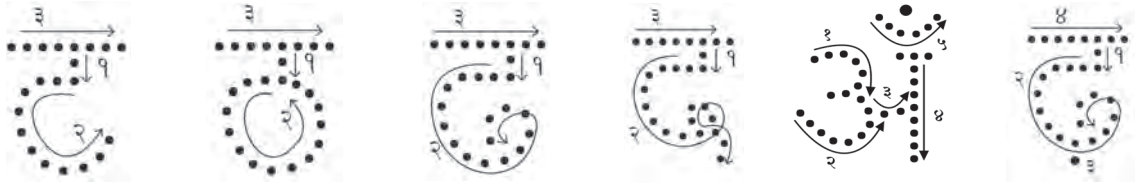

## भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो :

अँ ँ

 ट

 ठ

 ढ

 द

 अँ

 ढ़

## वाचन – पढ़ो :

ठाट ढलान टेढ़ा मैथिली सुदूर ठंडा यामिनी अँगड़ाई चाँद भौगोलिक

चाँदनी चमचा उठा । दृष्टि टमाटर ला । टोकरी में टमाटर रख ।
आँचल दाँत साफ कर । ढोल ढमढम बजा । पूजा पराँठा बना ।

## लेखन – समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो ।)

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| टहनी |   |   | ...... |   | बादल |   | ...... |
|   | गठरी | ढ | ...... | पढ़ |   | गढ़ | ...... |
|   |   | ढमाढम | ...... |   | लहँगा |   | ...... |

## अनुरेखन – देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो : अँ ँ

ढेर पौढ़ना दैनिक जुहार अंगुलियाँ

2CIE5F

# ७. हॉकी

## चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

## श्रवण – सुनो और दोहराओ :

घटना मेघना धवल सुगंध छलाँग पूँछ हरमीत नैहर ऑन ऑटो कॉपी बैडमिंटन चिड़िया खिलाड़ी कैरम कबड्डी हॉकी गेंद लड़के लड़कियाँ समूह दर्शक

**खुशी और आनंद को खेल पसंद हैं ।**

मैदान पर कबड्डी का खेल जारी है ।
दर्शक खेल देख रहे हैं ।
कैरम घर में खेला जाने वाला खेल है ।
कुछ बच्चे हॉकी खेल रहे हैं ।
जॉन और नरगिस कैरम खेल रहे हैं ।
रानी और हर्ष कैरम का खेल देख रहे हैं ।
हॉकी और कबड्डी मैदानी खेल हैं ।
रिंकी कबड्डी-कबड्डी बोल रही है ।

## अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

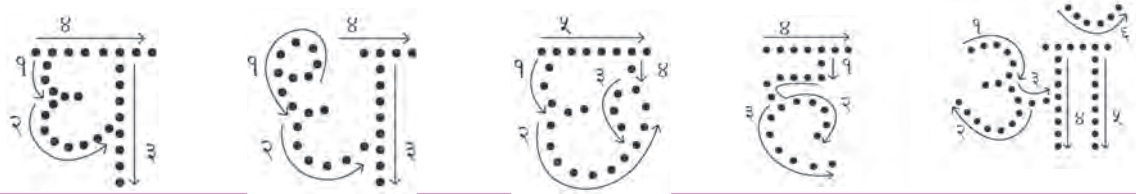

**भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो :**

ऑ ॅ

ध

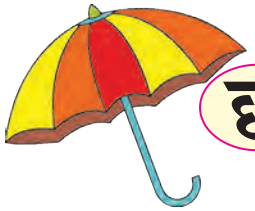

**वाचन – पढ़ो :**

पुनःऑटो दौड़ो वैदेही धनिया कुलाँच दुरूह घूँघट छिपकली हलवाई

आरुषि गिलहरी देख ।
महक चॉकलेट मत खा ।
रौनक ऑटो से उतर ।
अदिति ऑफिस गई ।

धीरज हलवाई की दुकान से हलवा ला।
छगन हलचल मत कर।
नूपुर घुड़दौड़ देखकर लौट ।
कॉलोनी में सब मिलजुलकर रहते हैं ।

**लेखन – समझो और लिखो :** (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो।)

 घुँघरु   ......

धतूरा     ......

ऑफिस   ऑक्सीजन ......

 महल १२ ......

छड़ी     ......

**अनुरेखन – देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो :** ऑ ॅ

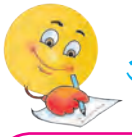

घरौंदा आँगन खिचड़ी कुहू नौरोज

2CSA73

# ८. श्रमदान

## चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

## श्रवण – सुनो और दोहराओ :

अक्षर क्षति पात्र क्षेत्र सर्वज्ञ अज्ञेय मिश्रण श्रोता नक्षत्र जयश्री यात्रा श्रेय ज्ञानोदय दक्षिण झाड़ू वृक्ष कुत्ता पगड़ी स्वच्छता खिड़की दरवाजा औरत आदमी छत पत्थर गाय कपड़े

**गाँव में स्वच्छता के लिए खुशी और आनंद आए हुए हैं ।**

खुशी कूड़ा ले रही है ।
आनंद झाड़ू लगा रहा है ।
बच्चे कूड़ेदान में कचरा डाल रहे हैं ।
स्वच्छ गाँव–निर्मल गाँव ।
लोग श्रमदान कर रहे हैं ।
श्रमदान श्रेष्ठदान है ।
गाँव प्रदूषण मुक्त करें ।
गाँव का विकास, देश का विकास ।

## अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

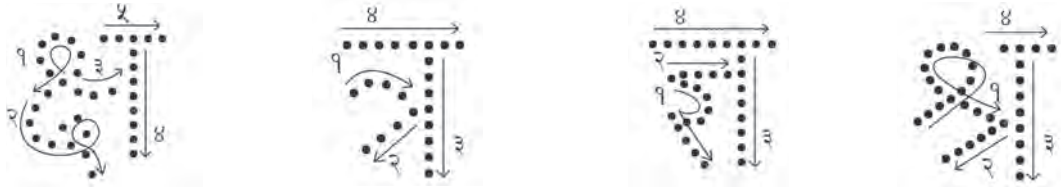

## भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो :

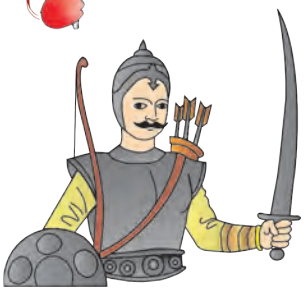



क्ष

त्र

ज्ञ

श्र

## वाचन – पढ़ो :

मित्र क्षेत्र मैत्री श्रम श्रोता श्रीमान त्रिजटा अज्ञेय ज्ञानेश वैज्ञानिक
पक्षी दीक्षा मिश्रित श्री मैत्रेयी अक्षय त्रिवेणी श्रावणी नौरात्रि भिक्षुक

सादा जीवन, ऊँचे विचार ।
लड़का–लड़की एक समान ।
नेत्र दान, श्रेष्ठ दान ।
साइकिल चलाओ, ईंधन बचाओ ।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ ।
अपनी रक्षा अपने आप ।
साक्षर परिवार, सुखी परिवार ।
जय जवान, जय किसान ।

## लेखन – समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो ।)

ज्ञानेश्वर     ......

 

मिश्रण ......

क्षयरोग रक्षक

......

१७ त्रिनेत्र मित्र ......

## अनुरेखन – देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो :

अक्षय त्रिवेणी श्रावणी नौरात्रि भिक्षुक

202680

कृति – सुनो, समझो और करो :

# ९. कागज की थैली

| कागज | रंग–बिरंगी पेंसिलें | गोंद | रस्सी | रंग–बिरंगे बटन |
|---|---|---|---|---|
| 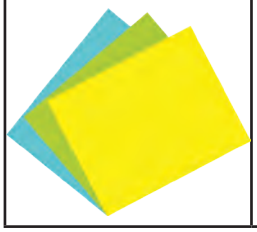 | | | 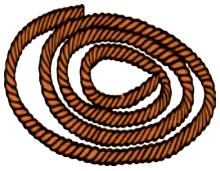 | |

**घरेलू अनुपयोगी चीजों से कागज की थैली तैयार करना ।**

**सामग्री :** **कागज, रंग– बिरंगी पेंसिलें, गोंद, रस्सी, रंग–बिरंगे बटन, टोचा/सूजा**

**कृति :**

१. अपनी रुचि के आकार का कागज लो ।

२. कागज को बीच से मोड़ो ।

३. कागज को ऊपर–नीचे से थोड़ा–थोड़ा मोड़ो ।

४. कागज के ऊपर–नीचे मोड़े हुए भाग को गोंद से चिपकाओ ।

५. बड़ों की सहायता से अब कागज के खुले भाग में छेद करो । (टोचे की सहायता से)

६. छेद में रस्सी डालकर अंदर की ओर गाँठ बाँधो ।

७. अब सजावट के लिए चारों कोनों तथा बीच में बटन चिपकाओ ।

८. तैयार कागज की थैली पर सामने के भाग में अपना नाम लिखो ।

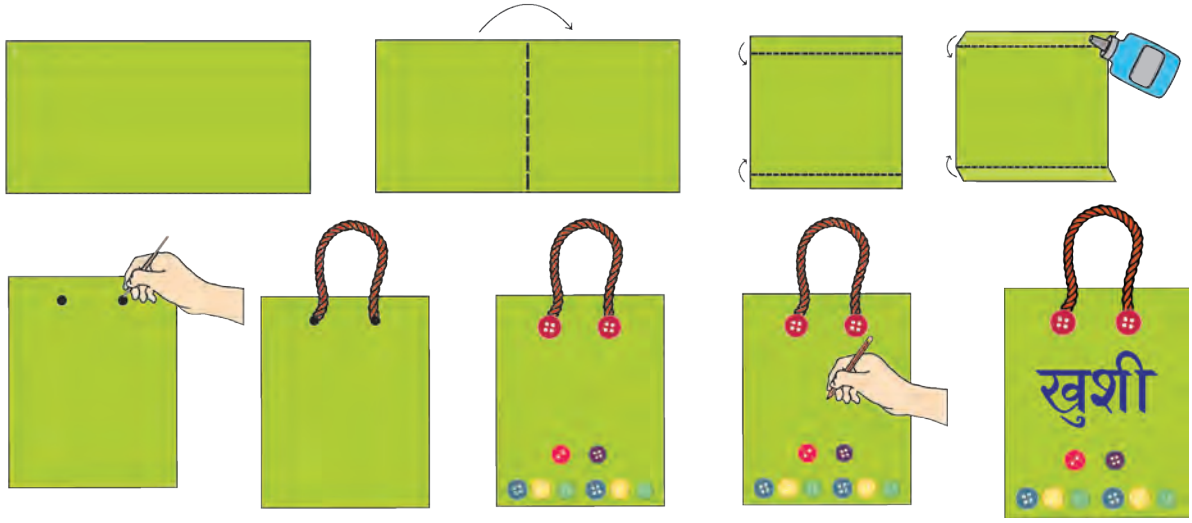

# ✻ अभ्यास–३



कृति– रिक्त स्थान भरो :

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | | | ई | | | ऋ |
| ए | | ओ | | | | अँ / ऑ |
| x | क | | | | ङ | x |
| x | x | च | | | | ञ |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ट | | | | | | ढ़ |
| x | त | | | | न | x |
| x | प | | ब | | म | x |
| x | x | य | | | व | x |

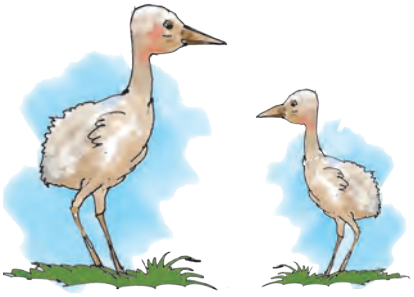

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| x | श | | | | ळ | x |
| x | x | क्ष | | | श्र | x |



लेखन– वर्णमाला क्रम से लिखो :

-----------------------------------------------

-----------------------------------------------

-----------------------------------------------

-----------------------------------------------

खरगोश, अपने बिल तक कैसे पहुँचेगा, उसे उँगली से दिखाओ :

# * पुनरावर्तन –१

**१. सुनो और बार–बार बोलो :**

(१) कच्चा पापड़ –पक्का पापड़ ।
(२) चाचा ने चाची को चाँदी की चम्मच से चटनी चटाई ।
(३) खड़कसिंह के खड़कने से खड़कती हैं खिड़कियाँ । खिड़कियों के खड़कने से खड़कता है खड़कसिंह ।
(४) समझ–समझ के समझ को समझो, समझ समझना भी एक समझ है । समझ, समझ के भी जो न समझे, मेरी समझ में वह नासमझ है ।

**२. बताओ :**

(१) तुम्हारे पिता जी क्या करते हैं ?
(२) हमें पानी की बचत क्यों करनी चाहिए ?
(३) फल कहाँ लगते हैं ?
(४) तुम पढ़ाई कब करते हो ?
(५) तुम पाठशाला कैसे जाते हो ?

**३. शब्द पढ़ो :**

अब तब तन मन कनक भनक नयन चयन झटपट नटखट एकदम
गपशप अनशन सरगम शलगम बचपन खटमल सरपट अकबर जबतक
जगमग पचपन मखमल कटहल डगमग अचरज क्षणभर धड़कन अजगर

**४. चित्र देखकर उनके नाम लिखो :**

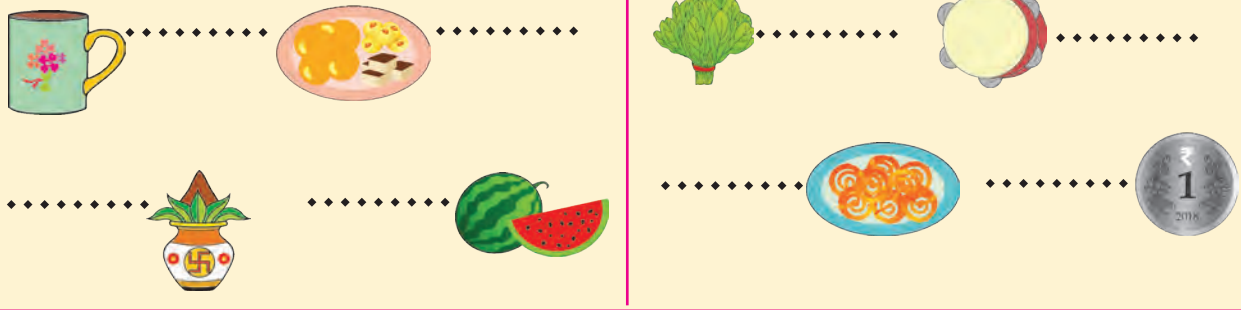

• **श्रुतलेखन :**

पचपन मखमल कटहल अदरक खटमल डगमग आगमन आचमन
अचकन अचरज अनपढ़ धड़कन अजगर क्षणभर रखकर भगवान

• **उपक्रम :** अपनी पसंद के विभिन्न चित्र एकत्र करके प्रदर्शनी फलक पर चिपकाओ ।

**पूर्वानुभव – सुनो और बताओ :**

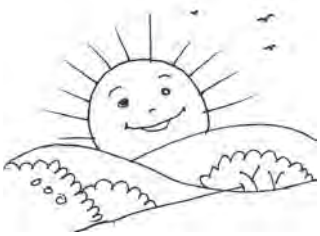



# ✻ सप्ताह के दिन

*– राजदेव बी. यादव*




हँसते–हँसते सोमवार से
सप्ताह शुरू कर जाएँगे ।



मंगलवार को खेल–खेल में
सभी काम कर पाएँगे ।



बुधवार को बड़ी सुबह ही
पौधों को नीर पिलाएँगे ।

गुरु की महिमा गुरुवार को
सब को प्रणाम कर आएँगे ।

खेल–कूद और योग करेंगे
दिन शुक्रवार मनाएँगे ।

आधा दिन है शनिवार को
माँ का हाथ बटाएँगे ।

रविवार तो छुट्टी लाया
मिलकर धूम मचाएँगे ।

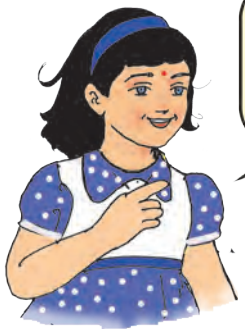

चित्रवाचन– देखो, समझो और बताओ :

# १. मेला